एकता में बल है

किसी समय गोदावरी नदी के तट पर एक बड़ा झंडूले सेमल का पेड़ था। वहाँ बहुत-सी चिड़ियाँ रहती थीं। उनके घोंसले डालियों से झूलते थे। सुबह-शाम चिड़ियों की काकली सुनाई देती थी। कभी-कभी बहेलिये पंछियों को पकड़ने ऐसी जगहों पर पहुँचते हैं। वे जाल बिछाते हैं, फंदे लगाते हैं और पक्षियों को पकड़ लेते हैं। लेकिन चालाक पक्षी इनसे दूर रहते है ।

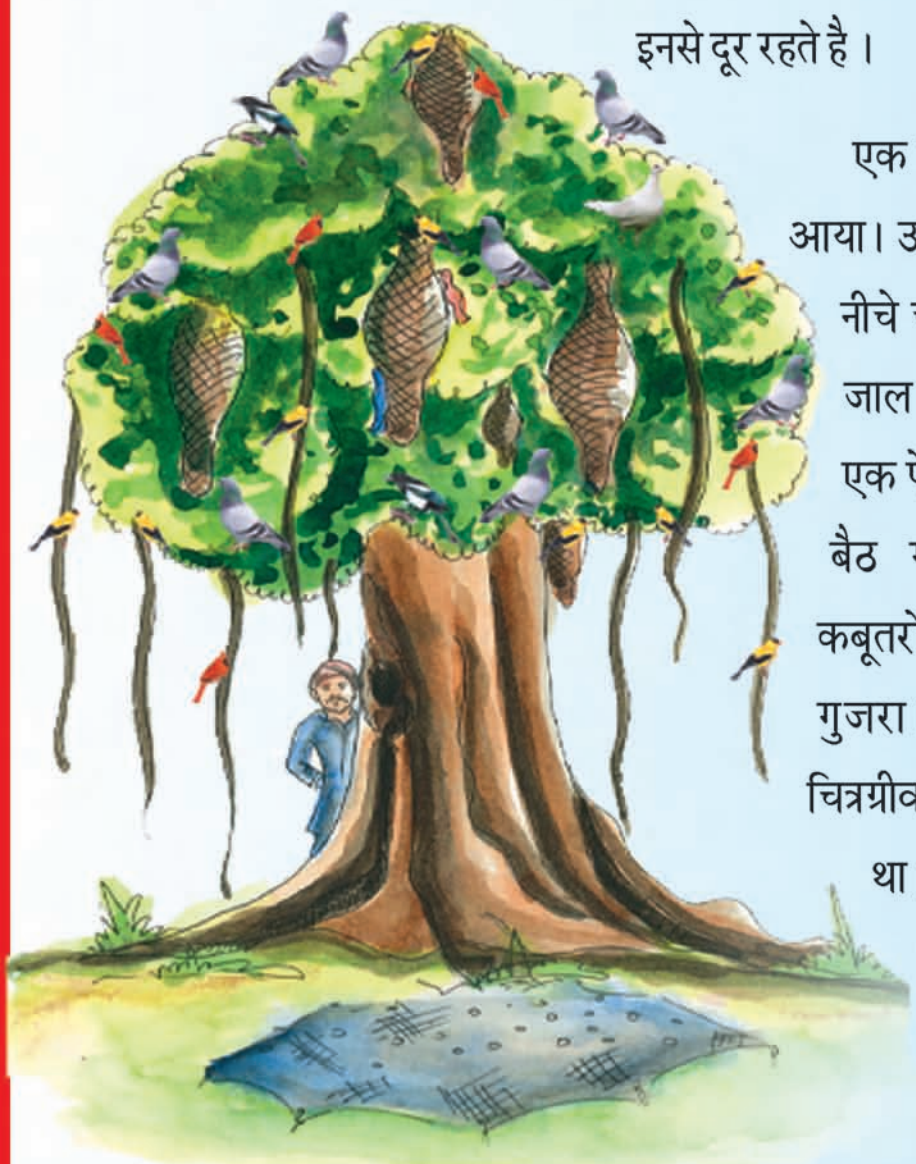

एक दिन वहाँ एक बहेलिया आया। उसने उस सेमल पेड़ के नीचे चावल के दाने बिछाए। जाल फैला दिया। पास के एक पेड़ की ओट में छिप कर बैठ गया। कुछ देर बाद कबूतरों का एक झुण्ड उधर से गुजरा। उसका नेता था चित्रग्रीव। वह बहुत चालाक था। लेकिन दूसरे कबूतर बेवकूफ और लालची थे। उन्होंने चावल के दानों को देखा।

मना करने पर भी नहीं माने। सर्र सर्र करके नीचे उतर पड़े। चावल खाने लगे। बहेलिये ने जाल की रस्सी खींच दी। सब फँस गए। पंख फड़फड़ाने लगे। सबके सब चिल्लाने लगे - बचाओ! बचाओ !

चित्रग्रीव ने कहा - देखो, बिना सोचे काम करने से ऐसा होता है। जल्दी का काम शैतान का। खैर, तुम सब लोग एक साथ जाल को लेकर उड़ो। फौरन कबूतर जाल के साथ ही आसमान में उड़ने लगे। वे एक पेड़ के पास पहुँचे। उनको दूसरे पंछियों ने देखा तो हाय-हाय करने लगे।

पेड़ के नीचे बिल में एक चूहा रहता था। वह चित्रग्रीव का पुराना दोस्त था। चित्रग्रीव ने उसे पास बुलाया। मदद माँगी। चूहे ने अपने पैने दाँतों से जाल काट दिया। सारे कबूतर फड़फड़ करके आसमान में उड़ गए। आँखों से ओझल हो गए।

सब ने मिलकर काम किया। आफत से बच गए।

शब्द-अर्थ :

पक्षी - चिड़िया

तट - किनारा

झंडूला - घनी पत्तियों वाला

घोंसले - चिड़िया रहने की जगह

काकली - चिड़ियों की मीठी आवाज

बहेलिया - शिकारी, चिड़ीमार

बेबकूफ - मूर्ख

लालची - लोभी

जल्दी का काम शैतान का - जल्दबाजी से काम करने से काम बिगड़ जाता है

आसमान - आकाश

हाय-हाय करने लगे - दु:खी हुए

मदद - सहायता

पैने - नुकीले

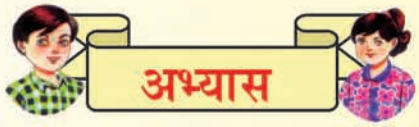

सोचो और बताओ :

१. सेमल का पेड़ कहाँ था ?

२. ऐसी जगहों पर बहेलिये पहुँचकर क्या करते हैं ?

३. कैसे पक्षी बहेलियों से दूर रहते हैं ?

४. बहेलिये ने उस सेमल पेड़ के नीचे क्या किया ?

५. चावल के दाने देखकर कबूतरों के झुण्ड ने क्या किया ?

६. दूसरे कबूतर जाल में कैसे फँसे ?

७. कबूतरों को जाल में फँसते हुए देखकर चित्रग्रीव ने क्या आदेश दिया ?

८. कबूतर कैसे जाल से निकले ?

९. खाली जगह भरो:

(लालची, चित्रग्रीव, चूहे, चालाक, चावल)

१. _____ पक्षी उन बहेलियों से दूर रहते हैं ।

२. दूसरे कबूतर बेवकूफ और _____ थे ।

३. बहेलिये ने उस सेमल पेड़ के नीचे _____ के दाने बिछाए।

४. कबूतरों के झुण्ड का नेता _____ था ।

५. _____ ने अपने पैने दाँतों से जाल काट दिया ।

मिलान :

नीचे लिखे 'क' विभाग के शब्दों को 'ख' विभाग के शब्दों से मिलान करो :

'क'	'ख'
बड़ा	कबूतर
चालाक	दाँत
बेवकूफ	दोस्त
पुराना	पक्षी
पैने	निगाह
	पेड़

किसने कहा :

क) जल्दी का काम शैतान का ।

ख) बचाओ ! बचाओ !

अनेक से एक :

उदाहरण के अनुसार परिवर्तन करो :

उनके घोंसले झूलते थे ।	उसका घोंसला झूलता था ।
वे जाल बिछाते हैं ।	_____ ।
चालाक पक्षी उनसे दूर रहते हैं ।	_____ ।
कबूतर चिल्लाने लगे ।	_____ ।
वे एक पेड़ के पास पहुँचे ।	_____ ।

विलोम शब्द लिखो :

चालाक - _____

सुबह - _____

कठिन - _____

सुख - _____

अधिक - _____

वाक्य बनाना :

१. नीचे दी गई तालिका के शब्दों द्वारा वाक्य बनाओ :

क)

उसने चाकू		आम काटा ।
चूहे ने अपने पैने दाँतों		जाल काट दिया ।
हम कलम	से	लिखते हैं ।
पौधा धूप		मुरझा गया ।

ख)

वे आँखों		ओझल हो गए ।
कबूतर का एक झुण्ड उधर		निकला ।
सभी कबूतर आफत	से	बच गए ।
पेड़		पत्ता गिरा ।

तुम्हारे लिए काम :

तुम पशु-पक्षियों से संबंधित कहानियों का संग्रह करो ।